सहयोगात्मक पर्यवेक्षण बिन्दु
जनपद– बुलन्दशहर
दिनांक– 26.12.2017 से 30.12.2017

पर्यवेक्षक–

- **डा0 पंकज सक्सेना,डी0जी0एम0,परिवार कल्याण,एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।**
- **नीलिमा पाठक,सलाहकार ,ब्लड सेल, ,एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।**
- **सरिता गुप्ता,स्टेट आशा प्रोग्राम मैनेजर,ए0आर0सी,एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।**

मिशन निदेशक एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / एम.एण्ड.ई / 2017–18 / 18 / 9853–2–9 दिनांक 20.12.2017 में प्रदत्त निर्देशानुसार उपरोक्त पर्यवेक्षकों द्वारा दिनांक 27.12.2017 से 29.12.2017 तक जनपद बुलन्दशहर के निम्नांकित चिकित्सा इकाइयों / सामुदायिक स्तर कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया गया–

- दिनांक 26.07.2017 को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आर0सी0एच0 तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धन ईकाई के अधिकारियों के साथ जनपद की चिकित्सा इकाईयों के भ्रमण के सम्बन्ध में बिचार–बिमर्श किया गया।
- दिनांक 27.12.2017 को सामु0स्वा0केन्द्र गुलावटी,बी0एच0एन0डी0 सत्र ग्राम भटौना,कैथाला तथा आर0बी0एस0के0 टीम का कार्य आंगनवाडी केन्द्र खुशहालपुर तथा नवीन चयनित आशा प्रशिक्षण अचन प्रशिक्षण केन्द्र पर पर्यवेक्षण किया गया।
- दिनांक 28.12.2017 संयुक्त चिकित्सालय सिकन्दराबाद,नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कायस्थबाडा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धरपा का पर्यवेक्षण किया गया।
- दिनांक 29.12.2017 को उपकेन्द्र बरौली वासुदेवपुर,जिला चिकित्सालय तथा जिला महिला चिकित्सालय बुलन्दशहर का पर्यवेक्षण किया गया।
- दिनांक 30.12.2017 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में नोडल अधिकारियों के साथ बिचार–विमर्श किया गया।

दिनांक	Major Findings from the Visit Site	Intervention/Activities Identified	Level of Intervention
27.12.2017	**वी0एच0एन0डी0 सत्र–** • वी0वी0एच0एन0डी0 सत्र पर ए0एन0एम0 द्वारा ए0एन0सी0 के अन्तर्गत पेट की जाँच,परामर्श तथा परिवार कल्याण परामर्श नहीं किया जा रहा था तथा एन0एच0एम0 द्वारा प्रदत्त कराये गये पंजिका का उपयोग नहीं किया जा रहा है। • अतिकुपोषित बच्चों को चिन्हित नहीं किया गया था। • आशा द्वारा ड्यू लिस्ट तैयार नहीं की गई थी। • लक्ष्य दम्पति की सूची उपलब्ध नहीं थी। • क्षेत्रीय पर्यवेक्षण में पाया गया कि आशा द्वारा वी0एच0आई0आर0 पंजिका पर सूचनाओं का अंकन सही से नहीं किया जा रहा है।	चिकित्सा अधीक्षक तथा बी0सी0पी0एम0 को समस्त आवश्यक जाँच व अन्य व्यवस्था हेतु अवगत कराया गया । ए0एम0एम0 तथा आशा की साप्ताहिक / मासिक बैठक में नियमित रूप से लाभार्थियों की ड्यू लिस्ट तैयार कराने के निर्देश प्रदान किये गये।	अधीक्षक स्तर से एक माह के अन्दर सुनिश्चित किया जायेगा।
	प्रसव कक्ष सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुलावटी • प्रसव कक्ष में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। • प्रसव कक्ष में प्रचार–प्रसार से सम्बन्धित प्रोटोटाइप नही लगे थे। • प्रसव कक्ष में रूम हीटर / ब्लोअर की व्यवस्था नहीं थी। • प्रसव पंजिका का रख–रखाव सही नही था तथा कम वजन के नवजात की देखभाल से सम्बन्धित कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नहीं था। • बेबी कार्नर कियाशील नहीं था। • एच0आर0पी0 से सम्बन्धित कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं था।	अधीक्षक को प्रसव कक्ष में रूम हीटर की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया । अधीक्षक द्वारा तत्काल प्रसव कक्ष में रूम हीटर उपलब्ध करा दिया गया। स्टाफ नर्स को प्रसव पंजिका के रख–रखाव के बारे में निर्देशित किया गया। स्टाफ नर्स तथा बी0सी0पी0एम0 को कम वनज के नवजात की पंजिका तैयार करने तथा उनके देखभाल की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।	अधीक्षक के स्तर से तत्काल व्यवस्था की गई।
	आर0 बी0एस0के0टीम गुलावटी • चिकित्सा इकाई से दोनों टीमें क्षेत्र में जा चुकी थी।	चिकित्सा अधीक्षक तथा आर0बी0एस0के0 नोडल अधिकारी।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एन0एच0एम0 तथा नोडल अधिकारी आर0बी0एस0के0 द्वारा

	• मूबमेन्ट पंजिका का अवलोकन करने पर ज्ञात हुआ कि दोनो टीमे आंगनवाडी केन्द्र खुशहानपुर गई है। • मूबमेन्ट पंजिका में सूचनाओं का अंकन सही से नही हो रहा था। नोडल आ0बी0एस0के0 को अपने समक्ष स्वयं पंजिका में कालम तैयार कर सही से सूचनाओं के अंकन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। • आंगनवाडी केन्द्र गुलावटी पर आर0बी0एस0के0 टीम 02 का क्षेत्रीय सत्यापन किया । टीम द्वारा 120 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था किन्तु भ्रमण के समय कोई भी बच्चा केन्द्र पर उपस्थिति नहीं था। • भ्रमण के दौरान पाया गया कि आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के उपरान्त बच्चों को दवा का वितरण नहीं किया जा रहा था। • टीम के पर्यवेक्षण में पाया गया कि बच्चों की स्क्रीनिंग के उपरान्त वितरण हेतु आवश्यकतानुसार औषधि की उपलब्धता नहीं थी। • स्वास्थ्य परीक्षण हेतु उपलब्ध कार्ड मानक अनुरूप नही था। ए0–4 साइज पेपर पर फोटोकापी किया हुवा था।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर0सी0एच तथा चिकित्साा अधीक्षक को उक्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश प्रदान किया गया।	आगामी 15 दिन में कर लिया जायेगा।
	<u>नवीन चयनित आशा प्रशिक्षण– अचल प्रशिक्षण केन्द्र ,खुर्जा रोड,बुलन्दशहर</u> • नवीन आशा प्रशिक्षण आवासीय प्रशिक्षण है किन्तु पाया गया कि आशाओं द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र पर निवास नहीं किया जा रहा है। • प्रशिक्षण में कुल 33 आशायें उपस्थित थी जिसमें सयाना ब्लाक की 19 आशायें व भरपा ब्लाक की 14 आशायें शामिल थी। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षण में 3 प्रशिक्षक उपस्थित थे, जिसमें से एक प्रशिक्षक श्री ....प्रधान जोकि प्रारम्भिक प्रशिक्षण में टी0ओ0टी0 प्राप्त नही किया है, के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा था। • वितरण किये गये माडूल को कलर प्रिन्ट नही करवाया गया था। • साफ–सफाई व प्रशिक्षण कक्ष में लाइट की व्यवस्था असंतोषजनक नही थी। • प्रशिक्षण कक्ष का आकार छोटा था जिससे ग्रुप वर्क करवाना वहाँ सम्भव नही था।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर0सी0एच तथा डी0सी0पी0एम0 को उक्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश प्रदान किया गया। साथ ही जो प्रशिक्षक नवीन आशा प्रारम्भिक मॉडूल में प्रशिक्षित नही थे उनको तुरन्त प्रशिक्षण से हटाने को कहा गया।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी,एन0एच0एम0 तथा डी0सी0पी0एम0 द्वारा तत्काल कार्यवाही पूर्ण की गई।
दिनांक 28.12. 2017	**<u>संयुक्त जिला चिकित्सालय सिकन्दराबाद (प्रथम सन्दर्भन इकाई) चिकित्सा इकाई के प्रसव कक्ष की व्यवस्था–</u>** • प्रसव कक्ष में 7 ट्रे की व्यव्स्था संतोषजनक नहीं थी। • प्रसव कक्ष में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। • प्रसव प्रोटोकाल से सम्बन्धित आई0ई0सी0 का प्रदर्शन पूर्ण नहीं था। • प्रसव कक्ष में रूम हीटर/ब्लोअर की व्यवस्था नहीं थी। • एन0एच0एम0 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रसव पंजिका का उपयोग नहीं हो रहा है। • पार्टोग्राफ तैयार नहीं किया जा रहा है। • 102 पंजिका का रख–रखाव मानक अनुरूप नहीं था। • जे0एस0एस0के0 के अर्न्तगत डाइट पंजिका तैयार नहीं किया जा रहा था। • एच0आर0पी0 की कोई संकलित सूचना नही थी तथा उनका कोई फालोअप नहीं किया जा रहा था। • अप्रैल से माह नवम्बर 2017 तक कुल 05 सीजेरियन प्रसव हुए है। • अप्रैल से 27 दिसम्बर 2017 तक कुल 1620 प्रसव हुए हैं। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स श्रीमती रेनू यादव एस0बी0ए0 प्रशिक्षित नहीं है। **पी0 एन0सी0 वार्ड–**	प्रसव कक्ष में मानकअनुरूप समस्त व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित कराने हेतु चिकित्सा अधीक्षक तथा सम्बन्धित महिला चिकित्सक को निर्देशित किया। अधीक्षक द्वारा तत्काल प्रसव कक्ष में रूम हीटर की व्यवस्था करा दी गई। स्टाफ नर्स को एस0बी0ए0 प्रशिक्षण कराने हेतु डी0पी0एम0 को निर्देशित किया। 102 एम्बुलेन्स से सम्बन्धित अभिलेख तैयार करने हेतु अधीक्षक तथा प्रसव कक्ष में नियुक्त स्टाफ नर्स को निर्देशित किया। लाभर्थीयों को वितरित किये जाने वाले जे0एस0एस0के0 के भोजन की पंजिका तैयार करवाने हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया। एच0आर0पी0 लाभार्थी की स्क्रीनिंग तथा उनके अभिलेखों के रक्ष–रखाव हेतु महिला चिकित्सक को निर्देशित किया गया तथा किस प्रकार पंजिका तैयार की जानी है उसके विषय में भी जानकारी	चिकित्सा अधीक्षक एवं महिला चिकित्सक द्वारा 01 सप्ताह के अन्दर कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। अधीक्षक द्वारा तत्काल प्रसव कद्वा में हीटर की व्यवस्था सुनिश्चित करा दी गई।

	• पी0एन0सी0 वार्ड में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। • खिडकियों पर परदें नहीं लगे थे। • भ्रमण के समय वार्ड में कुल 05 लाभार्थी भर्ती थें जिनमें से 04 लाभार्थी के प्रसव 28.12.2017 को हुआ था। • लाभार्थियों से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि उन्हें जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत भोजन प्राप्त हो रहा है। 8– प्राथ0 स्वा0केन्द्र धरपा में प्रसव बहुत ही कम हो रहा है।	प्रदान की। पी0एन0सी0 वार्ड में साफ–सफाई एवं पर्दे की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करवाने हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया। लाभार्थी को कम से कम 48 घन्टे तक रोकने हेतु सुनिश्चित करवाने के लिये अधीक्षक को निर्देशित किया।	
	<u>रोगी कल्याण समिति–</u> • रोगी कल्याण समिति हेतु एन0एच0एम0 द्वारा प्रदत्त कराये गये पंजिका पर बैठक आयोजित नहीं की जा रही है। • बैठक आयोजन से सम्बन्धित पत्राचार नहीं किया जा रहा है। • बैठक का एजेण्डा तथा कार्यवृत्ति में समानता नहीं है • चिकित्सा इकाई सिकन्दराबाद में प्रथम किस्त रू0 500000.00 के सापेक्ष 499889. 00 का व्यय किया जा चुका है। तथा धरपा में रू0 125000.00 के सापेक्ष 109376. 00 का व्यय किया जा चुका है । किये गये व्यय से सम्बन्धित आरवश्यक कार्यादेश,कोटेशन आदि की कमी पायी गई। • रोगी कल्याण समिति का आडिट वर्ष 2014–2015 तक पूर्ण है।दो वर्ष का आडिट वर्ष 2015–2016 तथा 2016–2017 का अभी भी शेष है। • रोगी कल्याण समिति के रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण माह जनवरी में ड्यू है।	चिकित्सा अधीक्षक तथा ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0 को अवगत कराया कि एन0एच0एम0 द्वारा रोगी कल्याण समिति हेतु राज्य स्तर से ही प्रिन्टेड रजिस्टर उपलब्ध कराया गया है उसी पर बैठक से सम्बन्धित कार्यवाही की जाय। ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0 ने तत्काल डी0सी0पी0एम0 से वार्ता कर पंजिका उपलब्ध कराने हेतुब निर्देशित किया। अधीक्षक तथा सम्बन्धित लिपिक श्री मनोज को रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित करने के सम्बन्ध में आवश्यक पत्राचार,एजेण्डा का निर्धारण तथा बैठक कार्यवाही लिखने के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी प्रदान की तथा आगामी बैठक से प्रदत्त निर्देशानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। जो भी कार्य कराये गये है उनके सम्बन्ध में आवश्यक कार्यादेश ,बिल बाउचर तथा आवश्यकानुसार कोटेशन आदि की कार्यवाही पूर्ण कराने के निर्देश प्रदान किये । रोगी कल्याण समिति का पिछले दो वित्तीय वर्ष 2015–16 तथा 2016–17 का आडिट तत्काल कराने हेतु अधीक्षक तथा ब्लाक एकाउण्ट मैनेजर को निर्देशित किया। रोगी कल्याण समिति के रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ करने हेतु जिला लेखा प्रबन्धक तथा ब्लाक लेखा प्रबन्धक को निर्देशित किया।	अपर मु0चि0अधि0 एन0एच0एम0 तथा डी0सी0पी0एम0 द्वारा आगामी 07 दिवस में सभी जगह रजिस्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करा दी जायेगी। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा 15 कार्यदिवस में समस्त सुझावों पर कार्यवाही पूर्ण कर ली जायेगी।
	<u>वित्तीय अभिलेख–</u> • वित्तीय अभिलेखों से सम्बन्धित समस्त कार्य श्री मनोज कुमार , एम0एम0ए0 के द्वारा किया जा रहा था तथा दीपक कौशीक, बी0ए0एम0 द्वारा केवल जे0एस0वाई0 के भुगतान का कार्य किया जा रहा था। • विभिन्न कार्यक्रमों में किये गये व्यय से सम्बन्धित पत्रावली व्यवस्थित नही थी। • भुगतान किये गये बिल,पी0एफ0एम0एस0 तथा कार्यादेश से सम्बन्धित पत्रावली पूर्ण नहीं थी। • कार्यक्रमवार भुगतान की पत्रावली नही तैयार है। • कैश बुक माह सितम्बर 2017 तक ही पूर्ण थी। ब्लाक एकाउण्ट मैनेजर को तत्काल कैश	• अधीक्षक को निर्देशित किया कि वित्त से सम्बन्धित समस्त कार्यो हेतु ब्लाक लेखा प्रबन्धक को निर्देशित किया जाय। • विभिन्न कार्यक्रमों हेतु अपने देख–रेख में अलग –अलग फाइलें तैयार कराई गई तथा कार्यक्रमवार दिशा–निर्देश तथा पी0एफ0एम0एस0 एडवाइस लगाकर फाइल सही कराई गई। • ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक को तत्काल कैश बुक	अधीक्षक द्वारा तत्काल ब्लाक लेखा प्रबन्धक को वित से सम्बन्धित सभी कार्य सम्पादित करने हेतु निर्देशित किया गया। ब्लाक लेखा प्रबन्धक द्वारा आगामी कार्यदिवस में कैश बुक तैयार कर अवलोकन कराया गया। कुछ

	बुक पूर्ण करने को निर्देशित किया ।तथा धरपा में कैश बुक बनी नहीं है। • ब्लाक एकाउण्ट मैनेजर द्वारा अपने कार्यो का सही से सम्पादन नहीं किया जा रहा है। • पी0ओ0एल0 में 21.08.2017 तक कुल 80184 / –रू0 का भुगतान किया जा चुका है। • जे0एस0एस0के0 के भोजन मद में 25.11.2017 तक 232568 / –रू0 का भुगतान किया जा चुका है। भोजन उपलब्ध कराने वाले फर्म से सम्बन्धित कोई कार्यादेश प्राप्त नही हुआ। • लाभार्थियों को वित्तरीत किये जाने वाले भेजन से सम्बन्धित कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नही था बार–बार कहने पर आगामी कार्य दिवस 29.12.2017 को श्री मनोज कुमार , एम0एम0ए0 के द्वारा एक पंजिका का अवलोकन कराया गया जिसमें मात्र माह नवम्बर 2017 (21.10.2017 से 20.11.2017) के लाभार्थियो की सूचना अंकित थी और सभी को समान्तह 02 दिन का भोजन वितरण दिखाया गया था। **रक्त भंडारण केन्द्र–** • रक्त भंडारण केन्द्र स्थापित है किन्तु क्रियाशील नहीं है।	माह अक्टूबर,नवम्बर तथा दिसम्बर 2017 तक तैयार कर आगामी दिवस को दिखाने के निर्देश प्रदान किये गयें। • जे0एस0एस0के0 में भोजन प्रदान करने वाले फर्म से सम्बन्धित कार्यादेश तथा किन लाभार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है उसका विवरण तैयार कराने हेतु चिकित्सा अधीक्षक तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया तथा आगामी कार्यदिवस में उपलब्ध कराने हेतु कहा गया।	बिन्दुओं पर कमियं थी जिन्हें सही करने हेतु पुनः निर्देशित किया गया। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा आगामी 07 दिवस में समस्त अभिलेख सही कर लिये जायेगें।
	धरपा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– **<u>आशा कार्यक्रम</u>** • आशा वाउचर नियमित गतिविधियो एवं अन्य गतिविधियो का अलग अलग बनवाया जा रहा था जोकि मानक के प्रतिकूल है। बाउचर पर बी0ए0एम0, बी0सी0पी0एम0 एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी में से किसी के भी हस्ताक्षर का अंकन नही था। • आशा मास्टर पेमेंट पंजिका तैयार नही है बी0सी0पी0एम0 के द्वारा उक्त के सम्बन्ध में कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नही किया गया। • बी0सी0पी0एम0 द्वारा आशा क्लसटर बैठक की पंजिका का अवलोकन नही कराया गया। • संगिनी मीटिंग हेतु एजेण्डा तैयार नहीं किया जा रहा है तथा सामान्य चर्चा के बिन्दु के अनुसार ही बैठक की जा रही है जिसमें चिकित्साधिकारी द्वारा प्रतिभाग नहीं किया गया है। **<u>आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम</u>** • आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्यो से चर्चा की गयी। टीम 02में श्री0 करूनेश आर्या 04 माह से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित है। • स्वास्थ्य परीक्षण हेतु उपलब्ध कार्ड मानक अनुरूप नही था। ए0–4 साइज पेपर पर फोटोकापी किया हुआ था। • टीम ने अवगत कराया कि बच्चों की स्क्रीनिंग के उपरान्त वितरण हेतु आवश्यकतानुसार औषधि की उपलब्धता नहीं है। **<u>रोगी कल्याण समिति–</u>** • रोगी कल्याण समिति में पहली किस्त रू0 125000 / –के सापेक्ष 70 प्रतिशत फंड (109376 / –रू0) का व्यय किया जा चुका है लेकिन अभिलेखों को सही तरीके से पूर्ण नही किया गया है। • बैठक आयोजन से सम्बन्धित पत्राचार नहीं किया जा रहा है। • बैठक का एजेण्डा तथा कार्यवृत्ति में समानता नहीं है। • बिल के साथ कार्यादेश एवं बैंक एडवाइस नही लगायी गयी थी। • रोगि कल्याण समिति का आडिट वर्ष 2016–2017 तक का पूर्ण है।	• आशाओं को विभिन्न गतिविधियों में भुगतान हेतु राज्य स्तर से निर्धारित प्रपत्र / वाउचर पर ही आशाओं से मांग प्राप्त करने हेतु चिकित्सा अधीक्षक तथा बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया। • बी0.सी0पी0एम0 को आशा मास्टर पेमेण्ट पंजिका तैयार करने हेतु निर्देशित किया तथा बी0पी0एम0 को उक्त कार्य अपने देख–रेख में कराने हेतु निर्देशित किया। • आशा भुगतान से सम्बन्धित पी0एफ0एम0एस0 सही से फाइल करने हेतु बी0सी0पी0एम0 व बी0ए0एम0 को निर्देशित किया। • आर0बी0एस0के0 टीम संख्या 02 में फिजियोथिरेपिस्ट श्री करूनेश जो कि विगत 04 माह से बिना किया सूचना के अनुपस्थित चल रहे है उनकी सूचना जनपरद पर प्रषित करने हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को उक्त बिन्दु जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में लेकर सम्बन्धित के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किया। • आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड हेतु उपलब्ध कराई गई धनराशि से मानकानुसार कार्ड की प्रिन्टिंग हेतु अपर मु0चि0अधि0 एन0आर0एच0एम0 तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को निर्देशित किया।	चिकित्सा अधीक्षक तथा बी0सी0पी0एम0 द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा । चिकित्सा अधीक्षक तथा ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा माह जनवरी 2018 की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में श्री0 करूनेश के अनुपस्थिति की सूचना प्रस्तुत कर दी जायेगी।? स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड तथा औषधि की व्यवस्था अपर मु0चि0अधि0 एन0एच0एम0 तथा नोडल आर0बी0एस0के0द्वारा आगामी 01 माह में पूर्ण कर लिया जायेगा।

	• रोगि कल्याण समिति के रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण हेतु सम्बन्धित पत्रावली दिनांक 25.11.2017 को चिट एवं फंड सोसायटी के कार्यालय में जमा किया जा चुका है। **<u>वित्तीय अभिलेख</u>** • बी0ए0एम0 द्वारा वर्ष 2017–18 हेतु मैनुअल–कैश बुक तैयार नही की गयी है। • भुगतान से सम्बन्धित अभिलेखों का रख–रखाव सही से नही है। • आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अर्न्तगत कुल 02 वाहनो का भुगतान अप्रैल 2017 से अगस्त 2017 तक कुल रू0 296990/– का भुगतान किया गया है लेकिन वाहनो के अनुबन्ध से सम्बन्धित कोई भी कार्यादेश उपलब्ध नही हुआ। • सहयोगात्मक परिवेक्षण के अर्न्तगत कुल 02 वाहनो का भुगतान अप्रैल 2017 से अगस्त 2017 तक कुल रू0 296990/– का भुगतान किया गया है लेकिन वाहनो के अनुबन्ध से सम्बन्धित कोई भी कार्यादेश उपलब्ध नही हुआ। **<u>प्रसव कक्ष धरपा–</u>** • प्रसव कक्ष में प्रसव हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्य पाये गये एवं साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। • दिनांक 10.06.2016 से 09.10.2017 के मध्य कुल 41 प्रसव हुये है। • अधीक्षक एवं बी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सा ईकाई पर महिला चिकित्सक एवं स्टॉफ नर्स नही है सिर्फ एक ए0एन0एम0 पोस्टेड है। • चिकित्सकीय ईकाई क्षेत्र के सभी प्रसव नजदीकी पी0पी0सी0 सेंटर खुर्जा में कराये जाते है। जे0एस0वाई0 से सम्बन्धित सभी भुगतानों का अभिलेख पी0पी0सी0 इकाई पर तैयार कराये जाते है एवं भुगतान हेतु प्रा0स्वा0केन्द्र धरपा पर भेजा जाता है	• आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अर्न्तगत दवाओं की व्यवस्था हेतु प्रदत्त धनराशि से टीम हेतु र्प्याप्त मात्रा में औषधि की व्यवस्था हेतु मु0चि0अधि0 एन0 आर0 एच0 एम0 तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को निर्देशित किया। • ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक धरपा को कैश बुक तैयार करने हेतु निर्देशित किया तथा जिला लेखा प्रबन्धक को आपे देख–रेख में आगामी दो कार्यदिवस के अन्दर कैश बुक तैयार कराने के निर्देश प्रदान किया। • चिकित्सा अधीक्षक तथा ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक को वाहनों से सम्बन्धित कार्यादेश उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। • अपर0मु0चि0 अधिकारी एन0एच0एम0 को निर्देशित किया गया कि प्राथमिकता पर 01 महिला चिकित्सक तथा 03 स्टाफ नर्स को प्राथ0स्वा0केन्द्र धरपा पर नियुक्त कर 24ग7 प्रसव इकाई के रूप में कियाशील करने हेतु निर्देशित किया।	ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा मैनुअल कैश बुक तैयार करने का कार्य शुरू किया जा चुका तथा आगामी दिवस को भ्रमण टीम को अवलोकित कराया गया । आगामी 03 कार्यदिवस में पूर्ण कर लिया जायेगा। टपर मु0चि0अधि0 एच0एम0 एम. द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति जनवरी 2018 की बैठक में कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।
दिनांक 29.12. 2017	**<u>उपकेन्द्र बरौनी</u>** • ब्लाक स्याना के L1 उपकेन्द्र बरौनी का भ्रमण किया गया। • उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 श्रीमती मंजू कुमारी उपस्थित थी। • ए0एन0एम0 अपने परिवार के साथ उपकेन्द्र पर ही निवास करती है। • उपकेन्द्र के अन्तर्गत कुल 7000 आबादी आच्छादित की जाती है तथा कुल 06 आशायें कार्यरत है। • अप्रैल 2017 से 21 दिसम्बर 2017 तक कुल 153 प्रसव हुए है। • कुल 06 खतरे वाली गर्भवती ए0एन0एम0 द्वारा चिन्हित किया गया है जिनमें से 03 के प्रसव हो चुके है। • उपकेन्द्र पर साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। • उपकेन्द्र पर रंगाई–पुताई का कार्य चल रहा था। • प्रसव हेतु उपयोग में लाये जाने वाले सामान की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। • प्रसव हेतु उपयोग में लाये जाने वाले उपकरण का रख–रखाव सही नहीं था। • एन0एच0एम0 द्वारा उपलब्ध कराये गये अभिलेख यथा उपकेन्द्र पंजिका,आर0सी0एच0रजिस्टर,वी0एच0एस0एन0सी0 रजिस्टर आदि ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध नही था। आर0सी0एच0रजिस्टर ए0एन0एम0 के पास था किन्तु उसपर कोई भी सूचना अंकित नहीं थी।	• ए0एन0एम0को एन0एच0एम0 द्वारा उपलब्ध कराये गये रजिस्टर आर0सी0एच0 पर सूचनाओं का अंकन करने हेतु निर्देशित किया। • प्रसव हेतु उपयोग में लाने वाले उपकरण को निर्जलीकरण हेतु तथा साफ–सफाई से रखने हेतु निर्देशित किया। • उपकेन्द्र पर प्रचार–प्रसार से सम्बन्धित कोई भी पोस्टर,कैलेण्डर व दीवार लेखन नहीं था। ए0एन0एम0 को अनटाइड फंड के टीकाकरण,जे0एस0वाई0 तथा अन्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित सूचनाओं के प्रचार'–प्रसार हेतु निर्देशित किया। • जिला लेखा प्रबन्धक तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को बी0एच0एस0एन0सी0 तथा उपकेन्द्र पंजिका प्रिंटकराकर अति शीघ्र ए0एन0एम0 को उपलब्ध कराने के निर्देश प्रदात किया गया।	ए0एन0एम0 द्वारा कार्य अपेक्षित। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक भ्रमण कर कार्य सुनिश्चित करायेगें। जनपद स्तर से शीघ्र ही सभी प्रकार के रजिस्टर उपकेन्द्र पर उपलब्ध कराये जायेगें। अपर मु0चि0अधि0 एन0एस0एम0 के स्तर से आगामी 15 दिन में कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

	• वी0एच0एस0एन0सी0 बैठक से सम्बन्धित पंजिका /रजिस्टर उपलब्ध था किन्तु पूर्ण नहीं था। • परिवार कल्याण से सम्बन्धित आवश्यक सामाग्री ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध थी। • आयरन की ब्लू गोली ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध नहीं था।		
	<u>कस्तूरबा मेमोरियल जिला महिला चिकित्सालय–</u> • माह अप्रैल 2017 से 29 दिसम्बर 2017 तक कुल 6335 प्रसव हुये है जिसके सापेक्ष अब तक कुल 4714 लाभार्थियों का भुगतान किया जा चुका है। • वर्ष 2016–17 के 2074 लाभार्थियों के जे0एस0वाई0 का भुगतान लम्बित था जसकों कमिटेड के रूप में रक्षित कराया गया था। वर्ष 2017–18 में 300 लाभार्थियों का भुगतान हुआ है तथा 1740 लाभार्थी अभी भी भुगतान हेतु शेष है। • रोगी कल्याण समिति में प्रथम किश्त के रूप में आवंटित रू0 500000/– के सापेक्ष रू0 941000/– का व्यय किया जा चुका है। • रोगी कल्याण समिति की कार्यकारी समिति की बैठके आयोजित की गई है तथा एन0एच0एम0 द्वारा प्रदत्त कराये गये रजिस्टर पर कार्यवाही लिखी गई है किन्तु उक्त में संसोधन की आवश्यकता है। यथा बैठक एजेण्डा तथा कार्यवाही पूर्ण नहीं है। • महिला चिकित्सालय में किशोर स्वास्थ्य क्लीनिंक स्थापित नहीं है। • प्रसव कक्ष में स्टाफ नर्स द्वारा दो प्रसव पंजिका पर सूचनाओं का अंकनकिया जा रहा था। • पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा था। • एच0आर0पी0 की संकलित सूचना नहीं थी।	• वित्तीय वर्ष 2016–17 के शेष 1740 लाभार्थी के भुगतान हेतु चिकित्सा अधीक्षिका को अवगत कराया तथा सुझाव दिया कि जो लाभार्थी लौट कर भुगतान हेतु नहीं आ रहें है उनक`पते पर पोस्ट कार्ड से सूचना प्रेषित कर उन्हें भुगतान लेने हेतु सूचित करें । • रोगी कल्याण समिति के मद में स्वीकृत से अधिक व्यय किया गया है जो कि वित्तीय अनियमितता में आता है। • रोगी कल्याण समिति के एजेण्डा तथा कार्यवृत्ति में कतिपय समानता नहीं थी जिस हेतु चिकित्सा अधीक्षिका तथा सम्बन्धित लेखा लिपिक को अवगत कराया । • प्रसव कक्ष में एक ही पंजिका पर सूचना अंकन कराने हेतु चिकित्सा अधीक्षिका तथा सम्बन्धित स्टाफ नर्स को निर्देशित किया। • एच0आर0पी0 की सूचना तैयार कराने तथा उनका फालोअप से सम्बन्धित अभिलेख तैयार करने हेतु चिकित्सा अधीक्षिका तथा महिला चिकित्सक को निर्देशित किया।	चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा आगामी सप्ताह में सभी लम्बित लाभार्थी को पोस्ट कार्ड प्रेषित किये जाने की कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी। चिकित्सा अधीक्षिका तथा लेखा लिपिक द्वारा रोगी कल्याण समिति की बैठक से सम्बन्धित कार्यवृत्ति तथा एजेण्डानुसार कार्यवाही की जायेगी।

<u>मुख्य चिकित्सा अधिकारी ,अपर मु0चि0 अधिकारी तथा समस्त सामु0स्वा0केन्द्र के प्रभारी के साथ बैठक–</u>

Major Findings from the Visit	Intervention/Activities Identified	Level of Intervention	Efforts of the team
<u>सामान्य स्थिति</u> ▪ चिकित्सा इकाईयों में प्रत्येक स्तर पर मरीजो के लिए अलग–अलग रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किये जा रहे है। ▪ सफाई व्यवस्था ज्यादातर ईकाइयों में संतोषजनक है, परन्तु कर्मियों के मध्य इन्फेक्सन प्रिवेन्सन के सम्बन्ध में जानकारी नहीं है। ▪ एक्सरे कक्ष में लेड एप्रीन उपलब्ध नहीं है। ▪ इमरजेन्सी रजिस्टर्स में अपूर्ण जानकारी है। ▪ अभिलेखों का रख–रखाव समुचित तरीके से	▪ समस्त मरीजों को कामन रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किया जाये। ▪ सफाई सेवा प्रदाताओं को इन्फेक्सन प्रिवेशन की मूलभूत जानकारी प्रदान की जाये। ▪ अभिलेखों का समुचित रख–रखाव सुनिश्चित किया जाये। ▪	मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सम्बन्धित अनुभाग मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त जिला चिकित्सालय	▪ चिकित्सा इकाई प्रभारियों को इन्फेक्सन प्रिवेशन की मूलभूत जानकारी प्रदान की गयी तथा अनुरोध किया गया कि यह जानकारी समस्त कर्मचारियों को उपलब्ध करायें। ▪ कामन रजिस्ट्रेशन की व्यवहारिक पहलुओं से चिकित्सा इकाई प्रभारियों को अवगत कराया गया। ▪ संयुक्त चिकित्सालय

नहीं रखा गया था।			सिकन्दराबाद एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धरपा के चिकित्सा इकाई प्रभारियों को सम्बन्धित प्रपत्रों को उपलब्ध कराया गया।
<u>परिवार कल्याण कार्यक्रम</u> 1. उपकेन्द्र स्तर तक ई0सी0आर0 रजिस्टर अद्यनान्त नहीं है। 2. नसबन्दी कार्यक्रम सम्बन्धित नवीन प्रपत्र उपलब्ध नहीं है। 3. उपलब्ध प्रपत्रो पर जानकारी पूर्ण रूप से नहीं भरी जा रही है। 4. मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट के सम्बन्धित जानकारी भी अपूर्ण है। 5. आटो क्लेब रजिस्र्टस उपलब्ध नहीं है। 6. नई पहल किट क्रय नहीं की गयी है। 7. सास बहु सम्मेलन का अयोजन नहीं किया गया था।	1 नवीन प्रपत्रो एवं रजिस्टर्स की उपलबधता सुनिश्चित किया जाना। 2. सेवा प्रदाता की क्षमता बृद्वि किया जाना।	मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी परिवार कल्याण एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय	सम्बन्धित प्रपत्रो के मुद्रण कराये जाने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को निर्देशित किया गया। जिला महिला चिकित्सालय में महिला नसबन्दी के सेवा प्रदाताओं को सम्बन्धित प्रपत्रों के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी गयी। आटो क्लेब रजिस्टर्स का फार्मेट एवं उसकी नियमित रखरखाव के सम्बन्ध में क्षमता बृद्विकरण किया गया। नई पहल किट का टेण्डर फ्लोट करवा दिया गया है। सास–बहु सम्मेलन के आयोजन हेतु कैलेण्डर तैयार कराकर मुख्य चिकित्साधिकारी के सम्मुख हस्ताक्षरार्थ प्रस्तुत कराया गया।
<u>पी0सी0पी0एन0डी0टी0 एक्ट</u> 1. पी0सी0पी0एन0डी0टी0 एक्ट का पालन कठोरता से नहीं किया जा रहा है। एक्ट से सम्बन्धित बैठकों का कोई कार्यवृत्त/रिकार्ड अवलोकनार्थ उपलब्ध नहीं कराया गया। 2. अल्ट्रासाउंड रूम के अन्दर ''भ्रण लिंग जॉच नहीं की जाती है'' का डिसप्ले नहीं था। • फार्म–एफ अपूर्ण हैं तथा सम्बन्धित प्रपत्रो पर नियमित प्रेषण नहीं किया जा रहा है।	• पी0सी0पी0एन0डी0टी0 एक्ट का पालन कठोरता से कराया जाय। • अल्ट्रासाउंड रूम के अन्दर ''भ्रण लिंग जॉच नहीं की जाती है'' का डिसप्ले लगाया जाये। • फार्म–एफ पर सम्पूर्ण जानकारी तथा सम्बन्धित प्रपत्रो पर नियमित प्रेषण किया जाय।	मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सम्बन्धित अनुभाग मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय	सम्बन्धित प्रपत्रो को भरे जाने हेतु सेवा प्रदाताओं को जानकारी उपलब्ध करायी गयी।
<u>ब्लड स्टोरेज</u> 1. ब्लड स्टोरेज यूनिट में रिकार्डो का रख–रखाव संतोषजनक नहीं पाया गया। 2. सिफलिस एवं मलेरिया की जॉच हेतु कोई सुविधा नहीं पायी गयी।	▪ रिकार्डो का रख–रखाव के सुदृढीकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों की क्षमता बृद्वि की जाये। ▪ सिफलिस एवं मलेरिया की जॉच हेतु व्यवस्था की जाये।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त जिला चिकित्सालय एवं रक्त कोष प्रभारी	रिकार्डो का रख–रखाव के सुदृढीकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारी की अनुपलब्धता में लैब टेक्नीशियन की क्षमता बृद्वि की गयी तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला पुरूष चिकित्सालय को सिफलिस एवं मलेरिया की जॉच हेतु आवश्यक व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।
<u>मातृ स्वास्थ्य</u> 1. प्रसव पंजीका ठीक से नहीं भरी गयी थी। 2. केस शीट एवं पाटोग्राफ नहीं भरा गया था।	▪ रिकार्डो का रख–रखाव के सुदृढीकरण की जाये। ▪ एच0आर0पी0 का चिन्हिकरण करके	अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आर0सी0एच0 मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला	समु0स्वा0केन्द्र सिकन्दराबाद में 7–ट्रे को व्यवस्थित करवाया गया। लेबर रूम प्रभारी को औजारो को बिसंक्रमित किये

1. प्रसव पंजीका ठीक से नहीं भरी गयी थी। 2. केस शीट एवं पाटोग्राफ नहीं भरा गया था। 3. एच0आर0पी0 की संकलित सूचना उपलब्ध नहीं पायी गयी। 4. 7–ट्रे उपलब्ध पाये गये, लेकिन उसका इस्ट्रालाईजेसन नहीं किया गया था। 5. प्रोटोकाल पोस्टर नहीं पाया गया। 6. डाइट रजिस्टर नहीं पाया गया।	की जाये। ▪ एच0आर0पी0 का चिन्हिकरण करके उसकी सूचना रजिस्टर में संकलित की जाये ताकि उनका फालोअप किया जा सके।	आर0सी0एच0 मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय	व्यवस्थित करवाया गया। लेबर रूम प्रभारी को औजारो को बिसंक्रमित किये जाने की प्रकिया बारे में जानकारी उपलब्ध करायी गयी। अधीक्षक, सामु0स्वा0केन्द्र को आटो क्लेब ठीक कराने हेतु निर्देशित किया गया।

दिनांक 30.12.2017 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में समस्त अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/नोडल अधिकारी सम्बन्धित कार्यक्रम तथा जिला एवं महिला चिकित्सालय के अधीक्षक एवं अधीक्षिका तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के समस्त अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी, जिसमें भ्रमण की गयी इकाईयों से सम्बन्धित निरीक्षण बिन्दुओं से अवगत कराया गया तथा अनुरोध किया गया कि भ्रमण के दौरान इंगित की गयी कमियों को दूर करते हुए बिस्तृत आख्या उपलब्ध कराने का कष्ट करें। इसके अतिरिक्त समस्त कार्यक्रम प्रभारियों को आगामी वित्तीय वर्ष 2018–19 हेतु पी0आई0पी0 के सम्बन्ध में भी चर्चा की गयी तथा निरीक्षित की गयी कमियों के निराकरण हेतु समुचित प्रस्ताव पी0आई0पी0 में सम्मिलित किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।

(निलिमा पाठक)
परामर्शदाता, ब्लड सेल

(सरिता गुप्ता)
आशा कार्यक्रम प्रबन्धक, ए0आर0सी0

(डा0 पकंज सक्सेना)
उप महाप्रबन्धक, परिवार कल्याण